पारिभाषिक शब्दावली - "ग्लासरी" (glossary) का प्रतिशब्द है।
"ग्लासरी" मूलत: "ग्लॉस" शब्द से बना है। "ग्लॉस" ग्रीक भाषा का glossa है जिसका प्रारंभिक अर्थ "वाणी" था। बाद में यह "भाषा" या "बोली" का वाचक हो गया। आगे चलकर इसमें और भी अर्थपरिवर्तन हुए और इसका प्रयोग किसी भी प्रकार के शब्द (पारिभाषिक, सामान्य, क्षेत्रीय, प्राचीन, अप्रचलित आदि) के लिए होने लगा। ऐसे शब्दों का संग्रह ही "ग्लॉसरी" या "परिभाषा कोश" है।
परिभाषा-
विषय विशेष में प्रयुक्त होने वाला विशिष्ट शब्द पारिभाषिक शब्द कहलाता है।

डॉ. माधव सोनटक्के इसे 'ज्ञान विज्ञान की असीम परिधि को व्यक्त करने वाली शब्दावली' कहते हैं

डॉ. सत्यव्रत दैनिक जीवन में नए विचार और वस्तुओं के लिए नए शब्दों के आगमन को पारिभाषिक शब्द मानते हैं।

पारिभाषिक शब्द का अर्थ है- जिसकी परिभाषा दी जा सके। परिभाषा किसी विषय, वस्तु या विचार को एक निश्चित स्वरूप में बाँधती है। सामान्य शब्द दैनिक व्यवहार में, बोलचाल में प्रयुक्त होते है।

प्रशासन शब्दकोश में लिखा है- "पारिभाषिक शब्द का एक सुनिश्चित और स्पष्ट अर्थ होता है। किसी विषेष संकल्पना या वस्तु के लिए एक ही शब्द होता है, विषय विषेष या संदर्भ में उससे हटकर उसका कोई भिन्न अर्थ नहीं होता।"

भोलानाथ तिवारी ने लिखा है-" पारिभाषिक शब्द ऐसे शब्दों को कहते हैं जो रसायन, भौतिक, दर्शन, राजनीति आदि विभिन्न विज्ञानों या शास्त्रों के शब्द होते हैं तथा जो अपने अपने क्षेत्र में विशिष्ट अर्थ में सुनिश्चित रूप से परिभाषित होते हैं। अर्थ और प्रयोग की दृष्टि से निश्चित रूप से पारिभाषित होने के कारण ही ये शब्द पारिभाषिक कहे जाते है।"

कमलकुमार बोस ने पारिभाषिक शब्द को इस प्रकार समझाया है-“ पारिभाषिक शब्द से तात्पर्य उन सारी शब्दाभिव्यक्तियों से है जो नव्य शास्त्र, प्रशासन, विज्ञान और व्यवहार में विशिष्ट अर्थ के लिए प्रयुक्त होती है।”

विशेषता अथवा गुण-

- **अर्थ सुनिश्चित**
- **एक क्षेत्र के लिए एक शब्द**
- **शब्द छोटा और सरल**
- **अनुवाद में एक शब्दीय का अनुवाद भी लक्ष्य भाषा में एक शब्दीय होना चाहिए**
- **शब्द- कृत्रिम निर्माण-इसी लिए शोध कर्ता के नाम पर भी शब्द**
- **जनसाधारण से अलग होनी चाहिए-**

महत्व-

- **एक रूपता चाहे देश-विदेश के स्तर पर चाहे क्षेत्र के स्तर पर**
- **व्यवहारिक स्तर पर विशेष महत्व**
- **शास्त्रीय विषयों के लिए महत्वपूर्ण**
- **एक कालिक (समय) विचारों को बहुकालिक बनाने में**
- **एक विषय को अनेक उसी अर्थ में ग्रहण करवाने में**
- **पारिभाषिक शब्दों का निर्माण-**
- **सृजन, ग्रहण, संचयन एवं अनुकूलन** जैसी चार प्रक्रियाओं से गुजर कर हुआ है।